विकास

200 किलोमीटर लंबा होगा एक्सप्रेसवे

अयोध्या से वाराणसी तक हाईस्पीड एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे बनेगा

अमर उजाला ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी से बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी तक हाईस्पीड एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द ही शुरू होगा। इससे दोनों आध्यात्मिक शहरों की दूरी सिर्फ दो घंटे में तय की जा सकेगी।

पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने इस एक्सप्रेसवे को बनाने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को प्रस्ताव दिया था। एनएचएआई ने डीपीआर बनाने के लिए संस्था के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इससे अयोध्या से दिल्ली तक की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। लगभग 200 किलोमीटर लंबे इस

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा नया मार्ग, बेहतर होगी कनेक्टिविटी

एक्सप्रेसवे के बनने से यात्रियों को तेज और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की ओर से अयोध्या में कई बड़ी परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें 84 कोसी परिक्रमा मार्ग, रामजानकी मार्ग अयोध्या से जनकपुर, अयोध्या-सुल्तानपुर व अयोध्या-जगदीशपुर मार्ग, राम वन गमन मार्ग के साथ यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखकर लखनऊ हाईवे पर कई ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण शामिल है। इसके अलावा अयोध्या बाईपास का सुंदरीकरण 55 करोड़ की लागत से कराया गया है।

जमीन अधिग्रहण के लिए चल रही सीमांकन प्रक्रिया

शहर के यातायात दबाव को कम करने के लिए रिंग रोड का काम प्रगति पर है। वहीं, अयोध्या-प्रयागराज ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल छह लेन हाईवे के पहले चरण में प्रतापगढ़ तक के लिए सीमांकन की प्रक्रिया चल रही है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने एक्सप्रेसवे निर्माण को अयोध्या और पूर्वांचल के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि अयोध्या से वाराणसी हाईस्पीड एक्सप्रेसवे का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।